राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के स्नातक प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए
सत्र 2021-22 से प्रभावी संस्कृत विषय का

Minor Course - लघुपाठ्यक्रम

संस्कृत साहित्य में राष्ट्रचिन्तन

अधिगम उपलब्धियां

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के महत्त्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता का बोध प्राप्त करेंगे।
3. नैतिक मूल्यों से परिचित होकर उनके अनुपालन हेतु प्रेरित होंगे।
4. भारत की विशेषताओं के विषय में जानेंगे।
5. विद्यार्थी लोकाचार का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
6. संस्कृत साहित्य में वर्णित राष्ट्रचिन्तन के विचारों से अवगत होंगे।

Credits- 04 | Minor Course लघुपाठ्यक्रम | कुल कालांश - 60

अधिकतम अंक- 25+75 = 100

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान
I	अथर्ववेद पृथ्वी सूक्त (12/1) प्रारम्भिक 10 मन्त्र	20
	श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-2) प्रारम्भिक 15 श्लोक	
II	हितोपदेश - सुहृद्भेद	15
III	नीतिशतक - सुजन पद्धति	8
IV	स्वराज्यविजयम् - प्रथम सर्ग	12
V	अनेकार्थक / विलोम शब्द	5

संस्तुत ग्रन्थ -
- अथर्ववेद भाषा भाष्य - दयानन्द संस्थान, दिल्ली
- अथर्ववेद भाषा भाष्य - स्वामी जगदीश्वरानन्द, दिल्ली
- श्रीमद्भगवद्गीता गीताप्रेस गोरखपुर
- हितोपदेश - नारायणपण्डित चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
- नीतिशतकम् - भर्तृहरि, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
- नीतिशतकम् - भर्तृहरि, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास. डॉ० बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन. वाराणसी

से प्रभावी संस्कृत विषय का Minor Course लघुपाठ्यक्रम

भारतीय गौरव एवं आर्षकाव्य

अधिगम उपलब्धियां

1. भारतीय गौरव के आधारभूत ग्रन्थ रामायण एवं महाभारत का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।
2. रामायण, महाभारत में निहित, धर्म-दर्शन, आचार-व्यवहार, नैतिकता तथा आदर्श सम्बन्धी तत्त्वों का ज्ञान प्राप्त कर उत्तम चरित्र निर्माण हेतु प्रेरित होंगे।
3. वैदिक मन्त्र एवं गीता के अध्ययन से आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्त्व को वैश्विक स्तर तक पहुँचाने में सक्षम होंगे।
4. आर्षकाव्यों की भाषा, शैली, सौन्दर्य एवं परवर्ती साहित्य पर उनके प्रभाव का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
5. समाज के विविध स्वभाव वाले व्यक्तियों से सामञ्जस्य स्थापित करने में सक्षम होंगे।
6. संस्कृत की सरल, सहज भाषा से परिचित होकर लेखन, वाचन एवं अध्ययन की क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।

Credits - 04 | Minor Course लघुपाठ्यक्रम | कुल कालांश - 60

अधिकतम अंक - 25+75=100

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान
I	यजुर्वेद, रामायण, महाभारत, वाल्मीकि एवं वेदव्यास का सामान्य परिचय	5
II	शुक्ल यजुर्वेद - शिवसंकल्पसूक्त (अध्याय-34) मन्त्र - 1-6 श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-2) श्लोक-31—51 तक	15
III	रामायण, अयोध्या काण्ड (सर्ग-95)	10
IV	महाभारत-यक्ष युधिष्ठिर सम्वाद	15
V	हितोपदेश - विग्रह	15

संस्तुत ग्रन्थ-
- संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ० बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- शिव संकल्प सूक्त - सुषमा पाण्डेय
- श्रीमद्भगवद्गीता गीता प्रेस गोरखपुर
- रामायणम् - उमाकान्तशुक्ल, साहित्य भण्डार सुभाष बाजार, मेरठ
- महाभारत युधिष्ठिर - यक्ष संवाद, ज्ञान प्रकाशन मेरठ
- हितोपदेश - नारायणपण्डित चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों के लिए सत्र 202
से प्रभावी संस्कृत विषय का Minor Course लघु पाठ्यक्रम

प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्य

अधिगम उपलब्धियां

1. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्य से परिचित होंगे तथा तुलनात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. प्राचीन साहित्य से आध्यात्मिक तथा नैतिक चेतना प्राप्तकर भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने में सक्षम होंगे।
3. संस्कृत साहित्य की आधुनिक रचनाओं से परिचित होंगे तथा संस्कृत भाषा के महत्व को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में सक्षम होंगे।
4. भारत राष्ट्र के वैशिष्ट्य को जानने में सक्षम होंगे।
5. प्राचीन संस्कृत साहित्य के विषयों को वर्तमान एवं नवीन परिप्रेक्ष्य में अवलोकन कर नैतिकता तथा आधुनिकता का सामञ्जस्य स्थापित करने में सक्षम होंगे।
6. राष्ट्रिय भावनाओतप्रोत राष्ट्रिय विभूतियों के चरित्र से प्रेरित होकर चरित्रवान और उत्तम नागरिक बनेंगे।

Credits - 04 | Minor Course लघुपाठ्यक्रम | कुल कालांश - 60

अधिकतम अंक - 25+75=100

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान
I	~~ऋग्वेद~~ महाभारत एवं रमाकान्त शुक्ल, हरिनारायण दीक्षित, सत्यपाल शर्मा का सामान्य परिचय	5
II	ऋग्वेद हिरण्यगर्भसूक्त (10/121) श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-2) श्लोक - 52-72	15
III	लौहपुरुषवल्लभचरितम् - प्रथम निःश्वास	10
IV	भाति मे भारतम् - श्लोक 1-25 तक	15
V	राधाचरितम् (प्रथम सर्ग)	15

संस्तुत ग्रन्थ -

- संस्कृत साहित्य का इतिहास डॉ० बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत साहित्य संचयन डॉ. गिरीशचन्द्र पंत, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
- ऋक्सूक्त संग्रह हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ
- श्रीमद्भगवद्गीता गीताप्रेस गोरखपुर
- लौहपुरुषवल्लभ डॉ० सत्यपाल शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- भाति मे भारतम् डॉ० रमाकान्त शुक्ल, [illegible]